आरती शिवरात्रि की

आ गई महाशिवरात्रि पधारो शंकर जी ।
हो पधारो शंकर जी आरती उतारे पार्वती जी ।
उतारो शंकर जी हो उतारो शंकर जी,
तुम नयन-नयन में हो मन-मन में धाम तेरा ।
हे नीलकंठ है कण्ठ कण्ठ में नाम तेरा,
हो देवों के देव जगत के प्यारे शंकर जी । टेक ।
तुम राजमहल में तुम्ही भिखारी के घर में,
धरती पर तेरा चरण मुकुट है अम्बर में ।
संसार तुम्हारा एक हमारे शंकर जी । टेक ।
तुम दुनिया बसाकर भस्म रमाने वाले हो ।
पापी के भी रखवाले भोले भाले हो ।
दुनिया में भी दो दिन तो गुजारो शंकर जी । टेक ।
क्या भेंट चढ़ाये तन मैला घर सूना है,
ले लो आंसू ये गंगाजल का नमूना है ।
आ करके नयन में चरणपखारो शंकर जी ।
आ गई महाशिवरात्रि पधारो शंकर जी ।

विवरण

महाशिवरात्रि पर्व आ गया है, हे शंकर जी आप पधारिये, ताकि पार्वती जी आपकी आरती उतारें । हे शंकर जी आप पधारिये । आप इस नयनन में बसे हुए हैं तथा इस मन में आप ही धाम हैं तथा हे नीलकण्ठ ! हमारे कण्ठ -कण्ठ में तुम्हारा ही नाम है ।

आप देवों के भी देव हो एवं सम्पूर्ण जगत् के प्यारे हो । आप राजमहल में भी पूजे जाते हो एवं भिखारियों के घर में भी आपकी पूजा होती है । धरती पर
आपका चरण है तो मुकुट आपका आकाश में है, ये पूरा संसार आपका

है, परन्तु आप ही एक हमारे हो ।

आपने सारी दुनिया बसाई, मगर खुद भस्म रमा के बैठने वाले हो । आप पापियों के भी रखवाले हो एवं बहुत ही भोले-भाले हो । हे शंकर जी ! इस दुनिया में आकर दो दिन भी तो गुजार लो ।

हमारा तन भी मैला है एवं घर भी सूना है, हम आपको क्या भेंट चढ़ायें, हमारे ये आँसू ही ले लो, क्योंकि ये गंगाजल का नमूना है, आकर इन नयनों में अपना चरण पखार लो, हे शंकर जी ! महाशिवरात्रि आ गई है, अब आप हमारे घर पधारिए ।

---

visit www.astrogyan.com for more aarthi's, free indian astrology horoscope charts & predictions.
all information © since 2000, Aks Infotech Pvt. Ltd., portal designed & developed by Pintograph Pvt. Ltd.